भोले के दर से सब कुछ मिला | By Sumitra Rana |

मुक़द्दर मेरा बन ही गया
भोले के दर से सब कुछ मिला
मन का अँधेरा मिट सा गया
भोले के दर से सब कुछ मिला

नाग गले में, माथे पे चंदा
श्रृंगार भस्म का, जटा में गंगा
पी के विष का प्याला नीलकंठ भया
भोले के दर से सब कुछ मिला
मन का अँधेरा मिट सा गया
भोले के दर से सब कुछ मिला

दुनिया से हारा, वक़्त का मारा
भोले बाबा ने मुझको उबारा
टूटी थी कश्ती, किनारा दिया
भोले के दर से सब कुछ मिला
मन का अँधेरा मिट सा गया
भोले के दर से सब कुछ मिला

दीनदयाल वो, दु:ख है हरता
मन की मुरादें पूरी है करता
नाम प्रभु का जिसने लिया
उसको भोले ने सब कुछ दिया
मुक़द्दर मेरा बन ही गया
भोले के दर से सब कुछ मिला
मन का अँधेरा मिट सा गया
भोले के दर से सब कुछ मिला

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a4%ac-%e0%a4%95%e0%a5%81%e0%a4%9b-%e0%a4%ae%e0%a4%bf%e0%a4%b2%e0%a4%be-by-sumitra-rana/